

प्रधानमंत्री की सगिपुर और बरुनेई दारुस्सलाम यात्राएँ

प्रलमिस के लयि:

[सेमीकंडक्टर](#), [भारत का सेमीकंडक्टर मशिन](#), [हरति हाइड्रोजन](#), [वैश्वकि जैव ईधन गठबंधन](#), [आसयान-भारत वस्तु व्यापार समझौता](#), [कूत्रमि बुद्धमिता](#), [व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता](#), [प्रत्यक्ष वदिशी नविश](#), [पूरी एशिया शखिर सम्मेलन](#)

मेन्स के लयि:

सगिपुर के साथ भारत के संबंध, भारत के सामरिक हतों के लयि बरुनेई का महत्त्व, एक्ट ईस्ट नीति, आसयान-भारत व्यापक सामरिक साझेदारी

[स्रोत: हनिदुस्तान टाइम्स](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री की [बरुनेई दारुस्सलाम](#) और [सगिपुर](#) की यात्राओं ने दक्षिण पूर्व एशिया में भारत की कूटनीतिक तथा रणनीतिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण प्रगतिको चहिनति कयि है।

सगिपुर और बरुनेई दारुस्सलाम के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

■ बरुनेई दारुस्सलाम:

- **स्थान:** बोरनियो द्वीप के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। दक्षिण चीन सागर के साथ इसकी तटरेखा लगभग 161 किलोमीटर है। यह उत्तर में दक्षिण चीन सागर और बाकी सभी तरफ मलेशिया से घिरा हुआ है।
- **अर्थव्यवस्था:** राजस्व मुख्य रूप से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस से उत्पन्न होता है तथा आर्थिक विविधीकरण के प्रयास कयि जाते हैं।
 - दक्षिण-पूर्व एशिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक, विश्व स्तर पर चौथा सबसे बड़ा तरलीकृत प्राकृतिक गैस उत्पादक।
- बरुनेई दारुस्सलाम के मुख्य निर्यात में तीन प्रमुख वस्तुएँ शामिल हैं - कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और तरलीकृत प्राकृतिक गैस जो मुख्य रूप से जापान, अमेरिका तथा आसयान देशों को बेची जाती है।



■ सगिपुर:

- **भूगोल:** सगिापुर एक द्वीप राष्ट्र है, जिसमें एक मुख्य द्वीप (पुलाऊ उजोंग) और 62 छोटे द्वीप शामिल हैं। इसके पड़ोसियों में उत्तर में मलेशिया तथा दक्षिण में इंडोनेशिया शामिल हैं।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** मूल रूप से तुमासिक के नाम से जाना जाने वाला यह द्वीप, जिसका अर्थ है "समुद्र", व्यापारियों के लिये एक प्रमुख पड़ाव था। 14वीं शताब्दी के दौरान तुमासिक ने अपना नया नाम "**सगिापुरा**" (जिसका अर्थ है "**लायन सटी**") अर्जित किया।
 - सगिापुर आधिकारिक तौर पर वर्ष 1826 में ब्रिटिश शासन के अधीन आया। जापानियों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1942 में सगिापुर पर नियंत्रण कर लिया, लेकिन युद्ध हारने के बाद उन्होंने स्वामित्व वापस ब्रिटिशों को सौंप दिया।
 - वर्ष 1959 में सगिापुर स्वशासित हो गया, हालाँकि ब्रिटिश अभी भी देश की सेना को नियंत्रित करता था। देश को अंततः वर्ष 1965 में सगिापुर गणराज्य के रूप में पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त हुई।
- **सरकार और अर्थव्यवस्था:** संसदीय गणराज्य। यह बैंकिंग और वनरिमाण में महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

प्रधानमंत्री की बरुनेई दारुस्सलाम यात्रा के मुख्य परिणाम क्या थे?

- प्रधानमंत्री ने **बंदर सेरी बेगावान (Bandar Seri Begawan)** में प्रतिष्ठित उमर अली सैफुद्दीन मस्जिद (Omar Ali Saifuddin Mosque) का दौरा किया, जो बरुनेई की इस्लामी वारिसता का प्रतीक है और इसका नाम बरुनेई के 28वें सुल्तान के नाम पर रखा गया है।
- भारत ने इसरो के **टेलीमेट्री ट्रैकिंग और टेलीकमांड (Telemetry Tracking and Telecommand- TTC) स्टेशन** की मेजबानी में बरुनेई के सहयोग की सराहना की तथा नए समझौता ज्ञापन के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।
- दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेषकर **UNCLOS 1982** के अनुरूप **दक्षिण चीन सागर** में विवाद के शांतपूर्ण समाधान के महत्त्व को रेखांकित किया।
 - **आसियान-भारत वार्ता संबंध, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र** जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुई।
- दोनों देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें भारत ने बरुनेई के प्रयासों का समर्थन किया, जिसमें **जलवायु परिवर्तन के लिये आसियान केंद्र की मेजबानी** भी शामिल है।
- इससे पूर्व भारत ने रूसी आपूर्ति के पक्ष में बरुनेई से अपने तेल आयात को कम कर दिया था। अब **तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG)** में दीर्घकालिक सहयोग पर चर्चा शुरू की गई है।

प्रधानमंत्री की सगिापुर यात्रा के मुख्य परिणाम क्या थे?

- **सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम भागीदारी:** एक लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला विकसित करने के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गए, जो द्विपक्षीय सहयोग के एक नए क्षेत्र को चिह्नित करता है। विभिन्न प्रौद्योगिकियों में सेमीकंडक्टर चिप्स के वैश्विक महत्त्व के कारण समझौता ज्ञापन का भू-रणनीतिक महत्त्व बहुत अधिक है।
 - सगिापुर का सेमीकंडक्टर उद्योग वर्ष 1970 के दशक से ही बढ़ रहा है, जो वैश्विक सेमीकंडक्टर उत्पादन का लगभग **10% और सेमीकंडक्टर उपकरण उत्पादन का 20% हिस्सा** है।
- **व्यापक रणनीतिक साझेदारी:** भारत और सगिापुर ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को '**व्यापक रणनीतिक साझेदारी**' के स्तर तक बढ़ाने पर सहमत जताई है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा।
- **स्थायित्व में सहयोग:** दोनों देश **ग्रीन हाइड्रोजन और अमोनिया परियोजनाओं** पर सहयोग करने के लिये तैयार हैं, इन पहलों का समर्थन करने हेतु एक रूपरेखा विकसित की जा रही है।
 - भारत ने सगिापुर की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करते हुए सगिापुर को **गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात के लिये छूट देने पर सहमत जताई है**।
- **डिजिटल प्रौद्योगिकी:** डेटा, एआई और साइबर सुरक्षा में सहयोग को गहरा करने के उद्देश्य से डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है। **साइबर नीति वार्ता** की स्थापना तथा साइबर सुरक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन के नवीनीकरण का कार्य प्रगति पर है।
- **फनितेक सहयोग:** भारत के यूपीआई और सगिापुर के पेनाउ और ट्रेडट्रस्ट पहल को कागज़ रहित लेनदेन को सुवर्धित बनाने एवं व्यापार दक्षता बढ़ाने में उनकी भूमिका के लिये मान्यता दी गई है।
- **सांस्कृतिक संबंध:** भारत ने तमिल संत तिरुवल्लुवर की वारिसता का उत्सव मनाते हुए **सगिापुर में तिरुवल्लुवर सांस्कृतिक केंद्र** के आगामी उद्घाटन की भी घोषणा की।
 - सगिापुर में भारतीय समुदाय के योगदान को मान्यता देते हुए संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने के लिये आपसी प्रतिबद्धता है।

बरुनेई दारुस्सलाम और सगिापुर के साथ भारत के संबंध कैसे हैं?

- **बरुनेई दारुस्सलाम:**
 - **राजनीतिक संबंध:** भारत और बरुनेई दारुस्सलाम के बीच राजनयिक संबंध वर्ष 1984 में स्थापित हुए थे। दोनों राष्ट्र सांस्कृतिक संबंधों एवं संयुक्त राष्ट्र, **गुटनरिपेक्ष आंदोलन, राष्ट्रमंडल और आसियान जैसे संगठनों** में सदस्यता के माध्यम से घनिष्ठ संबंध साझा करते हैं।
 - बरुनेई के सुल्तान, सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया, भारत-बरुनेई के घनिष्ठ संबंधों के प्रबल समर्थक हैं और उन्होंने भारत की '**लुक ईस्ट**' और '**एक्ट ईस्ट**' नीतियों का समर्थन किया है।

- बरुनेई ने भारत की अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारी का भी समर्थन किया है और वर्ष 2012 से वर्ष 2015 तक आसियान देश समन्वयक के रूप में **भारत-आसियान संबंधों** को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- **वाणज्यिक संबंध:** बरुनेई को भारत के मुख्य नरियात में ऑटोमोबाइल, परिवहन उपकरण, चावल और मसाले शामिल हैं। भारत बरुनेई से कच्चे तेल का एक प्रमुख आयातक है, जिसका **आयात प्रतिवर्ष लगभग 500-600 मिलियन अमरीकी डॉलर का है।**
- **भारतीय समुदाय:** बरुनेई दारुससलाम में भारतीय प्रवासी दशकों से निवास करते आ रहे हैं, 1930 के दशक में पहली बार यहाँ आए लोगों में से आधे से अधिक तेल और गैस, निर्माण एवं खुदरा जैसे उद्योगों में अर्द्ध व अकुशल श्रमिक थे।
- **सगिपुर:**
 - **ऐतिहासिक संबंध:** एक सहस्राब्दी से भी अधिक समय से भारत और सगिपुर ने घनषिठ सांस्कृतिक, वाणज्यिक तथा पारस्परिक संबंध बनाए रखे हैं।
 - आधुनिक संबंध **स्टैमफोर्ड रैफलस** (ब्रिटिश ईस्ट इंडियन प्रशासक और बंदरगाह शहर सगिपुर के संस्थापक) द्वारा वर्ष 1819 में सगिपुर में एक व्यापारिक चौकी स्थापित करने से जुड़े हैं, जो बाद में वर्ष **1867 तक कोलकाता से शासित एक ब्रिटिश उपनिवेश** बन गया। वर्तमान संबंध तब शुरू हुए जब **स्टैमफोर्ड रैफलस** (ब्रिटिश ईस्ट इंडियन प्रशासक और बंदरगाह शहर सगिपुर के संस्थापक) द्वारा **वर्ष 1819 में सगिपुर में एक व्यापारिक स्टेशन की स्थापना** की गई। तब से वर्ष 1867 तक इस द्वीप पर **कोलकाता से ब्रिटिश उपनिवेश का शासन** रहा।
 - भारत वर्ष 1965 में सगिपुर की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था।
 - **व्यापार और आर्थिक सहयोग:**
 - **व्यापार:** सगिपुर भारत का **छठा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार** है, जिसकी भारत के कुल व्यापार में **3.2% हिस्सेदारी** है।
 - **नविश:** वर्ष 2018-19 से सगिपुर भारत में **FDI** का सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा है, जिसमें शीर्ष क्षेत्र सेवाएँ, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर, व्यापार, दूरसंचार और ड्रग्स एवं फार्मास्यूटिकल्स हैं।
 - **फनितेक:** सगिपुर में **RuPay कार्ड स्वीकृति** के लिये वाणज्यिक और तकनीकी व्यवस्था की गई है। **UPI-Paynow लॉन्च** एक ऐतिहासिक क्रॉस-बॉर्डर फनितेक विकास है।
 - **सगिपुर पहला देश** है जिसके साथ भारत ने यह **क्रॉस-बॉर्डर परसन-टू-परसन (P2P) भुगतान सुविधा** शुरू की है।
 - **विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग:** **ISRO** ने सगिपुर के कई उपग्रहों को लॉन्च किया है, जिसमें 2011 में सगिपुर का पहला स्वदेशी निर्मित **माइक्रो-सैटेलाइट भी शामिल है।**
 - **बहुपक्षीय सहयोग:** सगिपुर **अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन** और **वैश्विक जैव-ईंधन गठबंधन** में शामिल हो गया है। ये दोनों **इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA)** जैसे बहुपक्षीय समूहों का भी हिस्सा हैं।
 - **भारतीय समुदाय:** सगिपुर के 3.9 मिलियन निवासियों में से लगभग 9.1% भारतीय हैं। तमिल सगिपुर की चार आधिकारिक भाषाओं में से एक है।

सामरिक हितों के लिये दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का क्या महत्त्व है?

- **एकट ईसट पॉलिसी:** प्रधानमंत्री की दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की यात्रा, भारत की व्यापक **एकट ईसट पॉलिसी** के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य **ASEAN देशों** के साथ संबंधों को सुदृढ़ करना और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की सामरिक उपस्थिति को बढ़ाना है।
 - भारत दक्षिण-पूर्व एशिया में अपने रक्षा संबंधों को सुदृढ़ कर रहा है, जिसका उदाहरण **फिलीपींस के साथ समझौते और वयितनाम व इंडोनेशिया जैसे अन्य देशों के साथ सहयोग** है।
- **भू-रणनीतिक स्थान:** दक्षिण-पूर्व एशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर स्थित है, जो **मेरीटाइम सलिक रोड जैसे समुद्री व्यापार मार्गों का एक प्रमुख केंद्र** है। यह रणनीतिक स्थान **भारत के मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण** के लिये महत्वपूर्ण है।
- **चीन का प्रतिकार:** चीन के साथ इस क्षेत्र की नजिकता इसे चीन के बढ़ते प्रभाव का प्रतिकार करने के भारत के प्रयासों के लिये महत्वपूर्ण बनाती है। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने से भारत को रणनीतिक बल बनाए रखने और क्षेत्रीय स्थिरता का समर्थन करने में मदद मिलती है।
- **आर्थिक हित:** दक्षिण पूर्व एशिया विश्व की कुछ सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (मलेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और वयितनाम) का गढ़ है, यह क्षेत्र भारत के लिये पर्याप्त आर्थिक अवसर प्रस्तुत करता है।
 - भारत आसियान का प्रमुख व्यापार साझेदार रहा है। **भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग** और **मेकांग-भारत आर्थिक गलियारा** जैसी प्रमुख परियोजनाएँ आर्थिक एकीकरण को और बढ़ाती हैं।
- **दक्षिण पूर्व एशिया में भारत के समकक्ष चुनौतियाँ:**
 - दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक नीतियों ने क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने और अपने व्यापार के लिये महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के भारत के प्रयासों को जटिल बना दिया है।
 - संबद्ध क्षेत्र से चीन की नजिकता और आर्थिक शक्ति उसे स्वाभाविकतः लाभप्रद बनाती है, जिससे भारत के लिये दक्षिण-पूर्व एशिया में उसके प्रभुत्व की बराबरी करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।
 - दक्षिण-पूर्व एशिया के राजनीतिक परिदृश्य की विविधता तथा **चीन के प्रभाव के प्रति देशों के अलग-अलग प्रकार के वरिध और एकजुटता** को देखते हुए भारत के लिये सभी के लिये एक जैसी रणनीति अपनाना मुश्किल हो जाता है।
 - हालाँकि भारत दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ संपर्क सुधारने पर काम कर रहा है, कति मौजूदा बुनियादी ढाँचा अभी भी अविकसित है, जिससे व्यापार और लोगों के बीच संपर्क की सुविधा बाधित होती है।

आगे की राह

- ई-कॉमर्स और फनिटेक में सहयोग को बढ़ावा देने के लिये भारत को दक्षिण पूर्व एशिया के साथ डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार करने की आवश्यकता है। भारत को अपनी सूचना प्रौद्योगिकी (IT) क्षमताओं का लाभ उठाकर सॉफ्टवेयर, IT सेवाओं और डिजिटल नवाचार में विशेषज्ञता प्रदान करने हेतु इसे एक क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापति करना चाहिये।
- भारत को आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये ताकि चीन पर निर्भरता कम हो, अधिक आर्थिक लचीलापन और एकीकरण के लिये व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिये क्षेत्रीय मूल्य शृंखलाओं को बढ़ावा दिया जा सके।
- भारत को समुद्री सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना चाहिये ताकि समुद्री डकैती, अवैध मत्स्यन और समुद्री आतंकवाद जैसे सामान्य खतरों का समाधान किया जा सके।
- भारत संबद्ध क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सहयोग बढ़ाने के लिये चीन के BRI का मुकाबला करने के लिये एक्समुद्री दक्षिण पूर्व एशिया-भारत आर्थिक गलियारा विकसित करने पर विचार कर सकता है।

प्रश्न 101-103:

प्रश्न. भारत-सिंगापुर संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का रूप देने के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये। विभिन्न क्षेत्रों में इसके अपेक्षित लाभ क्या होंगे?

प्रश्न. एकट ईस्ट नीतिके तहत आसियान देशों के साथ अपने संबंधों का विस्तार करने में भारत के लिये रणनीतिक लाभ क्या हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न 104-106:

प्रश्न. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (2018)

1. ऑस्ट्रेलिया
2. कनाडा
3. चीन
4. भारत
5. जापान
6. यू.एस.ए.

उपर्युक्त में से कौन-कौन आसियान (ए.एस.इ.ए.एन.) के 'मुक्त व्यापार भागीदारों' में से हैं?

- (a) केवल 1, 2, 4 और 5
- (b) केवल 3, 4, 5 और 6
- (c) केवल 1, 3, 4 और 5
- (d) केवल 2, 3, 4 और 6

उत्तर: (c)

प्रश्न. 'रीजनल काम्प्रेहिन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (Regional Comprehensive Economic Partnership)' पद प्रायः समाचारों में देशों के एक समूह के मामलों के संदर्भ में आता है। देशों के उस समूह को क्या कहा जाता है? (2016)

- (a) जी-20
- (b) आसियान
- (c) एस.सी.ओ.
- (d) सार्क

उत्तर: (b)

प्रश्न 107-108:

प्रश्न. शीत युद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय परदृश्य के संदर्भ में भारत की पूर्वोन्मुखी नीतिके आर्थिक और सामरिक आयामों का मूल्यांकन कीजिये। (2016)

